जनता की सुविध के लिए उत्तराखंड में जनमित्र योजना लांच

● बिंदास अक्स संवाददाता

देहरादून। गय्यूर मलिक

अब भूतपूर्व सैनिकों और सैनिकों के माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए राज्यपाल ले.ज. (सेनि)गुरमीत सिंह ने विशेष पहल की है। उनकी दुरदर्शिता के माध्यम से पी सी टी आई दिल्ली और राष्ट्रीय सैनिक संस्था उत्तराखंड द्वारा उत्तराखंड में टेलीमेडिसिन 'जनमित्र' पर आधारित परियोजना प्रारंभ हो गई है। टेलीमेडिसिन जनमित्र योजना के माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सेवा करने का अवसर प्रारंभ किया गया है। जनमित्र संस्था द्वारा अब चिकित्सकों के परामर्श को उपचार के रूप में बीमारों तक पहुंचाया जाएगा। जनमित्र योजना उन परिवारों के सदस्यों को लाभ देगी जिन्हें अब तक यह सेवा भारी पड़ती थी। इस योजना के तहत गांव का एक व्यक्ति पूर्व सैनिक या उसके परिवार का सदस्य चुना जाएगा जो क्षेत्रवासियों की मदद करेगा। जनमित्र योजना के तीन स्तंभ माने गए हैं जिनमें पहला परिवार है, इन परिवारों के बारे में जनमित्र की पूरी जानकारी होनी चाहिए। दूसरा जनमित्र स्वयं प्रशिक्षण के माध्यम से क्षेत्र के लोगों की

सेवा करेगा, उसे एक चिकित्सा उपकरण (टूलकिट) दिया जाएगा जिसके माध्यम से वह सेवायोजना को मूर्त रूप देगा, इसमें थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर, रक्तचाप और शुगर नापने की मशीन होगी जो जनमित्र को निशुल्क प्रदान की जाएगी। इन उपकरणों के माध्यम से गांवासियों को अपनी मदद देगा। इस सत्र में जनमित्र के कार्य कैसे संचालित होंगे इस विषय पर प्रशिक्षण दिया गया और जनमित्र की अवधारणा पर प्रकाश डाला गया ताकि एक ऑनलाइन ऐप के माध्यम से चिकित्सक से जुड़ सके और लोगों का इलाज कर सके। उत्तराखंड में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जनमित्र का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। इसके पीछे केवल ग्रामीणों को लाभान्वित करने की योजना है। जनमित्रों को बोलचाल का महत्व, कुशलता और जन जुड़ाव की जानकारी दी गई ताकि वह एक अच्छे कार्यकुशल कार्यकर्ता के रूप में जनसेवा कर सके। इस संदर्भ में हिल्लोरी वाटिका देहरादून कोटी अठूरवाला भानियावाला में शुक्रवार को एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मेजर जनरल एमएल असवाल ने उत्तराखंड को सशक्त बनाने के लिए इस योजना का शुभारंभ किया। इस आयोजन के दौरान राष्ट्रीय सैनिक संस्था के संयोजक बी. पी. शर्मा, सूबेदार मेजर एम. पी. चमोली, ने अपने विचार रखे। दिल्ली से आई प्रदेश महिला प्रभारी डॉक्टर अनुपमा लखेरा, विजय मालिक, अजय भट्ट, विवेक यादव और पंकज गुप्ता ने इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए।